Today's Poem – 29.07.2014

सर्विस समाचार सुनने, पढ़ने का भी तुम्हें शौक रखना

इससे सर्विस करने का उमंग उत्साह बढ़ाते रहना

संगमयुग पर बाप सुख नहीं देते

सुख का रास्ता बताते

बाप सबके साथ समान रहते

बेहद का बाप हिस्सा नहीं बाँटते

किसी भी बात में बेवश नहीं होना

स्वयं में ज्ञान को धारण कर दान करना

औरों की भी तकदीर जगानी

किसी से भी बात करते समय स्वयं को आत्मा समझ आत्मा से बात करनी

ज़रा भी देह-अभिमान में नहीं आना

बाप से जो सुख मिलता है, वो सबको बाँटना

जो सदा शुभ-चिन्तक और शुभ-चिन्तन में रहते

वह व्यर्थ चिन्तन से छूट जाते

नॉलेज इस लाइट, माइट

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!